International Innovative Journal Impact Factor (IIJIF) Impact Factor : 2.521 Peer-Reviewed Journal ISSN : 2278 – 5639
Global Online Electronic International Interdisciplinary Research Journal (GOEIIRJ)
{Bi-Monthly} Volume – V, Issue – IV December 2016

नवसारी जिले के माध्यमिक विद्यालयों का पर्यावरण सुधारमें स्वच्छ भारत के अभियान का असर : एक अध्ययन

शोधकर्ता : डो. मनसुखभाई एन. पटेल,
एशोसियेट प्रोफेशर,
श्रीरंग शिक्षण महाविद्यालय, बीलीमोरा.

Paper Abstract

समुचे संसारमें ५ जून 'विश्व पर्यावरण दिन' के रुपमें मनाया जाता है । कार्बन उत्सर्जन और प्राकृतिक संपदा के बेतहासा उपयोग से पृथ्वी के पर्यावरण के सामने खतरा पैदा हुआ है । समुद्री जलमें वृद्धि हो रही है । प्राकृतिक संसाधन के खिलवाड के कारण भूकंप, सुनामी, बिना ऋतु के बारिश होना जैसी घटनाएँ घट रही है । युनाईटेड नेशन्स के सहयोग से हर साल क्लाईमेट चेईंजपर चर्चा हेतु एक परिषद का आयोजन होता है । न्युझिलेन्ड और ओस्ट्रेलिया ने इस समस्या के समाधान के लिए एन्वायर्नमेन्ट कोर्ट की स्थापना भी की है ।

भारत सरकारने वर्ष २०१० में 'नेशनल ग्रीन ट्रीब्युनल एक्ट' कानून संसद में पारित किया जिसके अंतर्गत वन सुरक्षा और प्राकृतिक स्त्रोतों की रक्षा होगी, इस कानून का अमल होते प्रदूषण के अतिक्रमण के भोगी व्यक्ति के संपत्ति का भुगतान किया जाएगा । ऐसे कई कानून प्रदूषण के रोकथाम के लिए बनाए गए हैं । वर्ष २०१४ से भारतीय प्रधानमंत्रीने स्वच्छ भारत अभियान की घोषणा करके शिक्षा संस्थानों और प्रशासन को शामिल करके अभूतपूर्व कदम उठाया । जिस वैश्विक समस्याको सुलझाने के लिए सरकार द्वारा प्रांत उठाए गए कदमो का कैसा प्रभाव पडा है यह जानने हेतु शोधकर्ताने 'नवसारी जिले के माध्यमिक विद्यालयो का पर्यावरण सुधारमें स्वच्छ भारत के अभियान का असर : एक अध्ययन' विषय पर शोधकार्य किया । वैज्ञानिक ढंगसे किए गए इस शोधकार्य में गुजरात के नवसारी जिले के देहातों और शहेरोंके ४० माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों, अध्यापक एवं आचार्य और प्रशासन के सहयोग से कार्य संपन्न किया, जिसके नतीजे अच्छे मिले । जैसे कि (१) स्वच्छता अभियान के प्रति स्कूली छात्रों में जागरुकता आना (२) विद्यालय साफ सुथरे रखना (३) विद्यालय परिवार में स्वच्छता के लिए रुचि बढना (४) स्वच्छता अभियान के संदर्भ में आयोजित प्रतियोगिता में हिस्सा लेना (५) स्कूल के आसपास, देहातोंमें गंदगी को दूर करना, अपने घरके आसपास गंदगी न रहने देना (६) पेड उगाकर उसकी रक्षा करना (७) स्वच्छ भारत अभियान का संकल्प लेना आदि ।

- **भूमिका :**

दुनियाभरके सभी देशों के सामने पर्यावरण के दुष्प्रभाव की बडी समस्या है । आधुनिक तकनिकी विकास की दौडने मानव को भौतिक समृद्धि प्रदान की और कई क्षेत्रों में प्रगति के मार्ग खोल दिए । विकास अच्छी बात है, हर मनुष्य का सपना होता है विकास का, किन्तु प्राकृतिक संपदा के उपयोगमें विवेक होना चाहिए । मनुष्यने पिछले १०० सालों के मुकाबलेमें पिछले २० सालोमें भरसक प्रगति की है । वैज्ञानिक इजाद के दो पहलू होते हैं, एक हकारात्मक असर । जिसके चलते कई लाभ होते है जैसे बिजलीका उपयोग, पेट्रोल-डिजल और मिट्टी के तेलका उपयोग । किन्तु विज्ञानके आविस्कार का दूसरा पहलू नकारात्मक उपयोग जिससे लाभ के बजाय नुकशान उठाना पडता है । जिनके उत्पादों के लिए कोयला उपयोगमें लाया जाता है । उससे धुआँ उगलता है । यातायात की सुविधानें पेट्रोल-डिजल के प्रयोग से धुआँ हवामें फैलता है जिससे प्रदूषण बढता है । सभी देशों में बढते प्रदूषणने स्वास्थ्य की समस्या पैदा कर दी है । जिसे ध्यानमें रखते हुए प्रदूषणको रोकने के लिए १९७२ में अमेरिकामें 'पृथ्वी' अंतर्राष्ट्रीय परिषद व संमेलन का आयोजन किया गया और धरती बचाने के लिए ठोस कदम उठाने पर विचार किया गया । भारतमें जंगल में वृक्षों की कटाई पर रोक लगाया । प्रदूषण के रोकथाम के लिए कानून बनाए और सख्ती से उस पर अमल भी शुरु हुआा । जंगलमें रहनेवाले आदिवासीओं को ईंधन का विकल्प दिया गया । दिल्ली सरकारने गत वर्ष १० सालसे पुराने वाहनों, डिजल वाहनों को चलाने पर पाबंदी फरमाई और प्रधानमंत्रीने स्वच्छ भारत का अभियान चलाया, गाँव-गाँव, शहर और सीटीओमें स्वच्छता अभियान शुरु किया गया । शिक्षा संस्थानों तक पहुँचे इस कार्यक्रमके अंतर्गत विद्यालयोमें स्वच्छता अभियान में सहयोग करनेका सरकारी प्रशासनने आह्वान किया है । स्वच्छता अभियान के चलते माध्यमिक विद्यालयों में किस प्रकार की सफाई का आयोजन हुआ था ? कौन कौन सी प्रतियोगिता का आयोजन किया था ? अध्यापक और छात्रोंनें आयोजन को सफल बनाने के लिए क्या किया था ? जैसे प्रश्नों के उत्तर पाने हेतु शोधकर्ताने **नवसारी जिले के माध्यमिक विद्यालयों का पर्यावरण सुधारमें स्वच्छ भारतके अभियान का असर : एक अध्ययन** विषय पसंद किया है ।

- **शोधकार्य की समस्या :**

शोधकर्ताने नीचे दी गई समस्या का चयन किया था ।

नवसारी जिले के माध्यमिक विद्यालयों का पर्यावरण सुधारमें स्वच्छ भारतके अभियान का असर : एक अध्ययन

- **शोधकार्य के उदेश्य :**

शोधकार्य कठिन समस्या का समाधान खोजने के लिए होता है । शोधकर्ताने समस्या का हल ढुँढने के लिए निम्न जैसे उद्देश्य चयन किए थे ।

- नवसारी जिलेके माध्यमिक विद्यालयों में स्वच्छ भारत अभियान अंतर्गत किए गए कार्यक्रमोंकी जानकारी प्राप्त करना ।
- नवसारी जिलेके माध्यमिक विद्यालयों में स्वच्छ भारत अभियान में अध्यापकों के सहयोग के बारेमें माहिती प्राप्त करना ।
- नवसारी जिलेके माध्यमिक विद्यालयों में स्वच्छ भारत अभियान में शामिल छात्रों के सहयोग के बारेमें माहिती प्राप्त करना ।
- नवसारी जिलेके माध्यमिक विद्यालयों में स्वच्छ भारत अभियान अंतर्गत की गई प्रतियोगिताओं का जायजा लेना ।
- नवसारी जिलेके माध्यमिक विद्यालयों में स्वच्छ भारत अभियान में जनसहयोगिताकी जानकारी हांसिल करना ।
- नवसारी जिलेके माध्यमिक विद्यालयों में स्वच्छ भारत अभियान में प्रशासन के सहयोग के बारे में जानकारी प्राप्त करना ।

- **शोधकार्य के प्रश्न :**

- नवसारी जिलेके माध्यमिक विद्यालयों में स्वच्छ भारत अभियान अंतर्गत किस प्रकार के कार्यक्रम किए गए थे ?
- नवसारी जिलेके माध्यमिक विद्यालयों में स्वच्छ भारत अभियान अंतर्गत शिक्षकों का सहयोग कैसा रहा था ?
- नवसारी जिलेके माध्यमिक विद्यालयों में स्वच्छ भारत अभियान अंतर्गत छात्रोंने कैसे सहयोग किया था ?
- नवसारी जिलेके माध्यमिक विद्यालयों में स्वच्छ भारत अभियान के दौरान कैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था ?
- नवसारी जिलेके माध्यमिक विद्यालयों में स्वच्छ भारत अभियान में कैसे जनसहयोगिता प्राप्त

की थी ?

- नवसारी जिलेके माध्यमिक विद्यालयों में स्वच्छ भारत अभियान में प्रशासनने कैसे सहयोग किया था ?

- **शोधकार्य का महत्व :**

जरुरत संशोधन की माँ है । शोधकार्य से ही शोधकार्य से ही जटील समस्याओंका समाधान मिलता है । प्रदूषण और पर्यावरण का संतुलन बनाए रखना मानवधर्म है । बढती आबादी को ध्यानमें रखते हुए प्रदूषण नियंत्रित करने के उपाय खोजने होंगे, इस विचारको केन्द्रित करते हुए संसार के सभी देश इस समस्या का उपाय ढूँढ रहे हैं । भारत सरकारने पिछले दो सालसे स्वच्छ भारत अभियान से अक्टूबर २०१४ से छेड रखा है । स्वास्थ्य ही मनुष्य की सही संपत्ति है इसे नजरअंदाज करना मानव जाति की बडी भूल होगी । इस लिए निम्न मुद्दों में प्रस्तुत शोधकार्य महत्व रखता है ।

- नवसारी जिले के माध्यमिक विद्यालय में पढने वाले छात्र-छात्राएँ विद्यालय साफ-सुथरा रखेंगे ।
- माध्यमिक विद्यालय में काम करनेवाले आचार्य, अध्यापक, छात्र, चपराशी एवं क्लर्क में स्वच्छता सबंधी जागरुकता पैदा होगी ।
- नवसारी जिले के माध्यमिक विद्यालय में अध्यापन कार्य मे जुटे अध्यापकों का सहयोग प्राप्त होगा ।
- नवसारी जिले में पढनेवाले छात्र-छात्राएँ अपने विद्यालय को ज्ञान अर्जित करने का मंदिर समजेंगे ।
- नवसारी जिले के माध्यमिक विद्यालय में स्वच्छ भारत अभियान से जुडे अभिभावक स्वच्छता का संदेश घर, गाँव और देश तक लेजाएंगे ।
- नवसारी जिले के माध्यमिक विद्यालयो में इस अभियान से गंदगी न फैलाने का संदेश प्रसारित होगा ।
- इस प्रकारका शोधकार्य नवसारी जिले में नहीं हुआ है ।
- इस शोधकार्य से स्कूल प्रशासन और सरकारी प्रशासनको अभियान आगे बढाने की दिशा

मिलेगी ।

- नवसारी जिले के माध्यमिक शिक्षामें रुचि लेनेवाले शिक्षाधिकारी, अभिभावक एवं शिक्षणप्रेमीओं को पर्याप्त लाभ होगा ।

- **शोधकार्य की मर्यादाएँ :**

शोधकार्य बहुत बडा क्षेत्र है । समय और आर्थिक व्यव होता है । शोधकर्ता पिछले बाईस सालसे शिक्षा के क्षेत्र से जुडे हुए हैं । इस लिए निम्न जैसी कुछ मर्यादाएँ शोधकार्य से जुडी हुई थी।

- प्रस्तुत शोधकार्य नवसारी जिले की माध्यमिक विद्यालयों तक ही सीमित था ।
- नवसारी जिले की कुल १८० विद्यालयों में से सिर्फ ४० माध्यमिक शालाओं को ही इस शोधकार्यमें सामिल किया गया था ।
- नवसारी जिले के माध्यमिक विद्यालयोंमें से प्रयोगमें सामिल विद्यालयोंने नौकरी करनेवाले अध्यापकों से ही माहिती ली थी ।
- प्रस्तुत शोधकार्यमें माहिती एकत्रीकरण के लिए विभिन्न उपकरणों में से सिर्फ अभिप्रायावलि का ही उपयोग किया गया था ।
- प्रस्तुत शोधकार्य की गिनती के लिए काईवर्ग मूल्य, प्रतिशत और अग्रताक्रम देने तक ही अंकशास्त्र का प्रयोग किया था ।

- **उपकरण का चयन :**

शोधकार्यमें माहिती एकत्र करनेके लिए उपकरण की जरुरत पडती है । कुछ उपकरण बाजार में प्रश्नावलि, अभिप्रायावलि, सामाजिक-आर्थिक मापदंड, बुद्धिआंक कसौटी आदि उपलब्ध रहते हैं । शोधकार्य के लिए उपयुक्त उपकरण नहीं मिलता है तो शोधकर्ताको इसकी रचना स्वयं करनी पडती है। शोधकर्ताने माहिती एकत्रिकरण हेतु चालीस विधानोवाली एफ अभिप्रायावलि का निर्माण किया था ।

- **व्यापविश्व और नमूना चयन :**

शोधकार्यमें नमूना चयन महत्त्वपूर्ण होता है । शोधकर्ताने गुजरात में आए हुए नवसारी जिले की माध्यमिक विद्यालयों को लिया था । अतः जिले में आए हुए सभी माध्यमिक विद्यालय

शोधकार्य का व्यापविश्व बनता है । जिले के कुल एक सौ अस्सी माध्यमिक विद्यालयों में से चालीस विद्यालयों का रेन्डमली चयन किया गया था । जिसे संशोधन के नमूने के रुपमें गिना था ।

- **माहिती एकत्रिकरणकी रीत :**

माहिती एकत्रिकरण कठिन कार्य है । इसमें समय अधिक जाता है । आर्थिक बोझ भी लेना पडता है । दूसरों की सहायता के बिना यह कार्य दुस्वार होगा । फिरभी शोधकर्ताने विद्यालयों के आचार्यो से इजाजत लेकर रुबरु संपर्क करके शिक्षकों से अभिप्रायावलि भरवाई और अपने कालेज के प्रशिक्षणार्थीयों की सहायता लेकर, डाक से और मित्रों से अभिप्रायावलि मंगवाई ।

- **माहिती वर्गीकरण (Interpretation) की रीत :**

माहिती एकत्रिकरण के बाद शोधकर्ताने आवृत्ति वितरण, काईवर्ग मूल्य, प्रतिशत और विधान का अग्रताक्रम तय करके हरेक विधानका वर्गीकरण किया । ईस प्रकार वैज्ञानिक ढंगसे अंकशास्त्रीय गिनती की थी ।

- **शोधकार्य के तारण (Findings of Research work) :**
  - नवसारी जिले के माध्यमिक विद्यालयों में पर्यावरण सुरक्षा को ध्यानमें रखकर स्वच्छता अभियान में उत्साह से भाग लिया ।
  - स्वच्छता अभियान के दौरान माध्यमिक विद्यालयों के आचार्योने अच्छा मार्गदर्शन दिया ।
  - नवसारी जिले की स्कूलों में दो अक्टूबर से एक सप्ताह के लिए स्वच्छता सम्बन्धित विभिन्न कार्यक्रम किए ।
  - स्वच्छता सप्ताह के दौरान बहुधा स्कूलों में विद्यालय और खेलके मैदान की महासफाई की गई ।
  - स्वच्छता अभियान को स्कूलों ने अपना कर्तव्य माना ।
  - नवसारी जिले के माध्यमिक विद्यालयोंमें अध्यापन करनेवाले शिक्षकोंने स्वच्छता अभियान का नेतृत्व किया ।
  - सरकार द्वारा आयोजित प्रतियोगिता, चित्र स्पर्धा, स्लोगन स्पर्धा, निबंध स्पर्धा, वकतृत्व स्पर्धा जैसी कई प्रतियोगिता में भाग लेकर छात्रों ने अपने स्कूलका नाम रोशन किया ।
  - स्कूलों में आयोजित स्वच्छता अभियान कार्यक्रम को पढनेवाले बच्चों के अभिभावकोंने स्वागत किया ।

- भारत स्वच्छता अभियान संदेश नई पिढीको देने हेतु तय किये गए इस कार्यक्रमको व्यापक समर्थन मिला ।
- स्वछता अभियान सप्ताह के दौरान छात्रों और अध्यापकोने संकल्प लिया ।
- प्रदूषण न फैलाने और गंदगी न करने की समज देने हेतु विद्यालय के बच्चोंने एक जुलूस निकालने का भी आयोजन किया था ।

उपसंहार :

पर्यावरण और प्रदूषणकी समस्या सुलझाने हेतु भारतके प्रधानमंत्री ने स्वच्छता अभियान का जब से बिडा उठाया है समाज के हर वर्ग, संस्थानों से, उद्योगोंसे, एन.जी.ओ. के द्वारा व्यापक समर्थन मिल रहा है । इसी को ध्यानमें रखकर गुजरात के नवसारी जिले के माध्यमिक विद्यालयों में स्वच्छता अभियान कार्यक्रम को कैसे मनाया यह जानने की शोधकर्ता को जिज्ञासा हुई । कुछ विद्यालयों को नमूने के रुप में लेकर स्कूल के समुचे मानव संशाधन इस कार्यक्रम से कैसे जुडे हुए हैं इसका वैज्ञानिक ढंग से अध्ययन किया । शोधकर्ता के द्वारा किया गया एक छोटा सा प्रयोग था । यदि इस शोधकार्य से किसी को थोडा सा भी फायदा होगा तो अपने आपको धन्यभागी समझेगा ।

साहित्य निर्देश (References) :

- व्यास, हरिश्चन्द्र (२०१०). जनसंख्या, प्रदूषण और पर्यावरण. विद्याविहार, कुचा दखनीराम, दरियागंज, नई दिल्ली.
- नवनीत. (फरवरी २०१४). पी. वी. शंकरतकुट्टी भारतीय विद्याभवन, क.मा. मुनशीमार्ग, मुंबई.
- દેસાઈ એચ. જી. અને દેસાઈ કે. જી. (૧૧૯૨), *'સંશોધન પદ્ધતિઓ અને પ્રવિધિઓ '.* અમદાવાદ : યુનિવર્સિટી ગ્રંથનિર્માણ બોર્ડ.
- શાહ ડી. બી. (૨૦૦૪). *'શૈક્ષણિક સંશોધન'.* અમદાવાદ : યુનિવર્સિટી ગ્રંથનિર્માણ બોર્ડ, ગુજરાત રાજ્ય.
- बत्रा दीनानाथ (१९९२). शिक्षाका भारतीयकरण. लखनउ विद्याभारती, अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान.
- National Council for Teacher Education, New Delhi 1998.